Patrika (Indore), 21st January 2025, Page- 12

किनारों पर लगेंगे पेड़ तो 'नर्मदा' होगी पुनर्जीवित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर के नर्मदा नदी क्षेत्र प्रबंधन अध्ययन केंद्र (सी-नर्मदा) ने 'नर्मदा नदी क्षेत्र प्रबंधन के एकीकृत दृष्टिकोण' पर कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नर्मदा नदी को पुनर्जीवित करना और उसके पर्यावरण को बेहतर बनाना था। कार्यशाला जल शक्ति मंत्रालय की पहल पर आयोजित की गई। इसमें आइआइटी इंदौर, आइआइटी गांधीनगर और आइआइटी कानपुर ने मिलकर काम किया। कार्यशाला का उद्देश्य नर्मदा को प्रदूषण मुक्त और सतत प्रवाह वाली नदी बनाना, पर्यावरण का संरक्षण करना और लोगों को नदी की महत्ता के बारे में जागरूक करना था।

प्रमुख मुद्दों पर चर्चा

मिट्टी का कटाव रोकना : नर्मदा के दोनों किनारों पर पेड़ लगाने की जरूरत पर जोर दिया गया।

जल की गुणवत्ता सुधारना : जलाशयों में गाद जमा होने से रोकने के उपायों पर विचार हुआ।

जैव विविधता का संरक्षण : नदी के पारिस्थितिक तंत्र को बचाने के तरीकों पर चर्चा हुई।

अवसादन की समस्याएं : हिमालयी नदियों के केस स्टडी के जरिए समाधान के सुझाव दिए गए। एनसीए के सदस्य आशीष दत्ता ने कहा, नदियों के सतत प्रबंधन में शैक्षणिक संसाधनों की भागीदारी जरूरी है। आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने विद्यार्थियों और संकायों को नदी परियोजनाओं से जोड़ने और सहयोग सुझाव दिया। सी-नर्मदा संयोजक प्रो. मनीष कुमार गोयल ने नदियों को स्वच्छ और सतत प्रवाह के लिए आधुनिक तकनीकों और सहयोग को जरूरी बताया।